रक्षाबंधन | जिले में उत्साह के साथ मनाया गया रक्षाबंधन का पर्व, कजलियां पर्व आज

भूतपूर्व सैनिकों को महिला मोर्चा की बहनों ने बांधी राखी

शहडोल। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा के नगर मंडल के तत्वावधान में आयोजित सैनिक कल्याण बोर्ड के संभागीय कार्यालय में पूर्व सैनिकों के साथ रक्षाबंधन का त्यौहार तिलक लगाकर राखी बांधकर मनाया गया। सभी बहनों ने बड़े उत्साह के साथ देश की आन बान शान बनाए रखने वाले वीर भूतपूर्व सैनिकों को राखी बांधी एवं मुंह मीठा कराया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष अमिता चपरा ने जिले के नागरिकों को रक्षाबंधन एवं काजलिया पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास और आपसी जिम्मेदारी का प्रतीक है। यह पर्व हमें नारी सम्मान, सुरक्षा और उनके सशक्तिकरण के प्रति हमारी जिम्मेदारियों का स्मरण कराता है। रक्षाबंधन एवं काजलिया का पावन पर्व आपसी प्रेम, सद्भाव और मिलजुलकर मनाएं, जिससे समाज में एकता और सौहार्द का संदेश प्रसारित हो। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष अमिता चपरा, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष उर्मिला कटारे, भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष निभा गुप्ता, भाजपा महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष नीलम चतुर्वेदी सहित महिला मोर्चा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

सरस्वती जनजातीय संस्कार केंद्र में मनाया रक्षाबंधन

गोहपारू। ग्राम पंचायत के अंतर गत महाकौशल वनांचल शिक्षा सेवा न्यास द्वारा संचालित सरस्वती जनजातीय संस्कार केंद्र कोइलरी मे केंद्र के भैया बहिनों द्वारा रक्षाबंधन का कार्यक्रम किया गया केंद्र के बहिनों ने भैया लोगो को रक्षासूत्र बांध कर कार्यक्रम को सफल बनाया गया कार्यक्रम मे उपस्थित संकुल समन्वयक सोभा सिंह परस्ते आचार्य शैलेन्द्र कुमार केंद्र के संयोजक मण्डल की उपस्थिति रही।

जिला जेल के बंदियों को बहनों ने बांधी राखी

रक्षाबंधन पर्व पर बहनों से मिले प्रेम और स्नेह से अभिभूत हैं। यह पर्व भाई और बहन के बीच अटूट प्रेम और स्नेह का पर्व है। जिला जेल शहडोल में रक्षाबंधन पर्व मनाया गया। इस अवसर पर बहनों ने जेल में बंदियों के माथे पर तिलक लगाकर, मिठाई खिलाकर एवं रक्षासूत्र बाँधकर भाई-बहन के पावन रिश्ते को आत्मीयता से संजोया। इस पहल का उद्देश्य बंदियों को परिवार जैसा स्नेह और सामाजिक मूल्यों का अनुभव कराना है, ताकि वे सकारात्मक सोच के साथ जीवन में आगे बढ़ सकें। 206 बंदियों से लगभग 400-450 लोग मिले।

पत्नी के अवैध संबंधों से टूटा सौरभ का घर शादी के तीन माह बाद ही की आत्महत्या

जयसिंहनगर। मसीरा गांव में सौरभ तिवारी की मौत ने एक पूरे परिवार की खुशियों को चकनाचूर कर दिया। तीन महीने पहले हुए विवाह के बाद घर में रौनक थी, लेकिन पत्नी श्रेया पांडे के कथित अवैध संबंध, पैसों की लगातार मांग और मानसिक प्रताड़ना ने सौरभ को अंदर से तोड़ दिया। आखिरकार दर्द और अपमान सहन न कर पाने की हालत में सौरभ ने अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। उसके मोबाइल में मिला आखिरी ऑडियो, पत्नी के अवैध संबंधों को उजागर करता है और यह साबित करता है कि वह किस कदर पीड़ा में था। सौरभ की मौत से मां का आंचल उजड़ गया, पिता का सहारा छिन गया और पूरा घर बिखर गया। गांव में आक्रोश का माहौल है, वहीं परिजन और ग्रामीण यह घटना आत्महत्या नहीं बल्कि पूर्वनियोजित हत्या बताते हुए आरोपी पत्नी पर की धारा 302ए 306 व 498। के तहत सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

छात्राओं ने रंगोली बनाकर स्वच्छता के साथ स्वाधीनता दिवस मनाने का दिया संदेश

शहडोल। जिले में हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता, स्वतंत्रता का उत्सव स्वच्छता के संग अभियान में जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, समाजसेवी, शिक्षक, विद्यार्थी व आम जनमानस बढ़ चढ़कर सहभागिता निभा रहे है और लोगो में देश भक्ति की भावना को जागृत के साथ-साथ स्वच्छता के स्वाधीनता दिवस मनाने का सन्देश भी दिया जा रहा है। हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता, स्वतंत्रता का उत्सव स्वच्छता के संग अभियान के तहत शासकीय हाई स्कूल टिहकी की छात्राओ ने रंगोली बनाकर स्वच्छता के साथ स्वाधीनता दिवस मनाने का संदेश

दिया। रंगोली में हर तिरंगा, स्वच्छ भारत, हर घर तिरंगा, वंदे मातरम आदि प्रेरणादायी स्लोगन प्रदर्शित किये गए।

हड़ताल के बाद पटरी पर लौटी नगर की सफाई व्यवस्था

▶ अंगूठा छाप अघोषित वाहन प्रभारी अब पौधों में डालेगा पानी

धनपुरी, नवभारत। बीते मंगलवार से जब नगर पालिका धनपुरी के सफाई कर्मचारियों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल कर दी थी तब हड़ताल के पहले दिन से ही नगर की सफाई व्यवस्था चौपट होने लगी थी ।यह हड़ताल तीन दिन तक चली थी जिसकी वजह से नगर में गंदगी का अंबार लग गया था। हड़ताल में अपनी अधिकांश मांगें पूरी होने के बाद सफाई कर्मचारी नई ऊर्जा से नगर की सफाई में जुट गए। रक्षाबंधन का त्योहार नगर की जनता ने बेहतर साफ सफाई व्यवस्था के

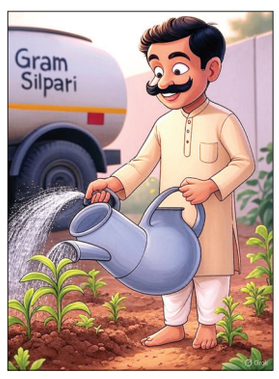

बीच में मनाया। सफाई कर्मचारियों वाहन चालकों और नगर के अधिकांश गणमान्य नागरिकों को भरत सिंह नाम के कर्मचारी के प्रति जबरदस्त आक्रोश था हड़ताल के दौरान वाहन चालकों ने बताया था कि अंगूठा छाप को हमारा अघोषित प्रभारी बना दिया गया है। नौकरी लगवाने के नाम पर लोगों से पैसा लेने के मामले में जेल जा चुका कर्मचारी मैडम का सबसे खास मुलाजिम बन गया था जिसे मैडम ने द्वारपाल बना रखा था। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार सफाई कर्मचारियों के प्रति वाहन चालकों के प्रति बिजली विभाग के कर्मचारियों के प्रति यह दिनभर मैडम के कान भरता था और उसकी बातों पर विश्वास करके मैडम तानाशाही से भरे फरमान जारी कर देती थी ।इस अंगूठा छाप की वजह से कर्मचारियों में आक्रोश बढ़ता जा रहा था। मैडम से जरूरी काम के लिए कार्यालय आकर मिलने वाले लोगों को पहले भ्रष्टाचार के मामले में जेल जा चुके कर्मचारी को सलामी (अपने नाम की पर्ची) देनी पड़ती थी। जिसकी वजह से भी लोगों में जबर्दस्त आक्रोश था। कर्मचारियों के आक्रोश की वजह से अब भरत सिंह को सिलपरी में पौधों को पानी डालने की जिम्मेदारी दी गई है। हर समय कर्मचारियों की झूठी शिकायत करने वाला खुद को स्वयंभू प्रभारी घोषित करने वाला गेट पर लोगों से मूंछों पर ताव देकर अकड़ कर बात करने वाला अब सिलपरी के जंगल में लगाए गए पौधों में टैंकर से पानी डालेगा। सफाई कर्मचारियों में वाहन चालकों में इस निर्णय के बाद से काफी प्रसन्नता का माहौल है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर पालिका के सफाई कर्मचारियों के साथ-साथ मैडम के रवैए को लेकर अधिकांश पार्षदों में भी काफी नाराजगी थी। मैडम परिषद को बिना विश्वास में लिए तुगलकी तानाशाही से भरे आदेश जारी कर रही थी। जब शहर में आक्रोश बढ़ा और मुर्दाबाद के नारे लगने लगे तब जाकर समझ में आया कि धनपुरी चीज क्या है। एक गुप्त बैठक में पार्षदों ने भी जमकर अपनी नाराजगी व्यक्त की थी। घंटों चली इस गुप्त बैठक में नाराजगी व्यक्त करने के बाद आगे क्या करना है की सारी रूपरेखा आपातकालीन बैठक के पहले ही तैयार कर ली गई थी।

फर्जी दस्तावेज लगाकर संचालित की जा रही प्राइवेट स्कूल

गोहपारू। जिले के गोहपारू पंचायत के अंतर्गत ग्राम बरेली में संचालित काशी विद्यापीठ नामक अशासकीय विद्यालय के संचालकों पर आरोप है कि उन्होंने फर्जी दस्तावेज तैयार कर जिस भवन को किराए पर लिया है वह पूरी तरह टूटा फूटा च जर्जर है। किरायानामा अनुबंध के विपरीत न तो उक्त भवन में बाथरूम है और न ही खेल मैदान है। भवन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त है। किरायानामा एग्रीमेंट में सेवा प्रदाता एवं विभागीय अधिकारी से सांठगांठ करके ग्राम पंचायत भवन की फोटो खींचकर लगा दी गई है। यह कृत्य अपराधिक कृत्य की श्रेणी में आता है।

कैसे मिल गई अनुमति- फर्जी किरायानामा अनुबंध पत्र को लगाकर स्कूल संचालकों द्वारा जब संबंधित कार्यालय में दस्तावेज दिया गया तब बिना भौतिक सत्यापन के कैसे जिम्मेदार अधिकारी ने विद्यालय को अनुमति प्रदान कर दी गईए यह बड़ा सवाल है।

कौन-कौन स्कूल संचालक

अशासकीय विद्यालय संचालित करने वालों में गुलाबचंद गुप्ता पिता काशी प्रसाद गुप्ता निवासी ग्राम चौरी वार्ड नंण् 4 तहसील पाली जिला उमरियाए रामचन्द्र गुप्ता पिता स्वण् काशी प्रसाद गुप्ता ग्राम बरेली कार्ड नंण्5 थाना गोहपारू एवं श्रीमती शोभना गुप्ता पति रामचन्द्र गुप्ता ग्राम पोस्ट बरेली वार्ड नं. 5 थाना गोहपारू शामिल है।

सरपंच से की गई शिकायत

ग्राम पंचायत बरेली के सरपंच से लिखित शिकायत की गई है जिसमें कहा गया है कि विद्यालय की मान्यता गुप्ता परिवार द्वारा ली गई है। उसका किरायानामा पूर्ण: असत्य है। खसरा नंबर एवं मकान की फोटो दूसरी लगाई गई है। जिसभवन में स्कूल को मान्यता दी गई है वह भवन पूर्णत: ध्वस्त है और वह ग्राम पंचायत भवन के बगल में है।

इनका कहना है

गोहपारू विकासखंड के ग्राम बरेली काशी विद्यापीठ के नाम से संचालित अशासकीय स्कूल का किराया नामा अनुबंध पत्र फर्जी प्रतीत होता है क्योंकि जिस भवन का एग्री मेट दर्शाया गया है यह भवन पूर्णत: मर्जर है। वास्तविकता यह है कि पंचायत भवन की फोटो लगाकर किराया नामा एग्रीमेंट कराया है जो कि फर्जी है धोखाधड़ी है बागी वरिष्ठ अधिकारियों इस मामले की जांच कर दोषियों। विरुद्ध कानूनी कार्यवाही करनी चाहिए।

मां का दूध शिशु की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने में मदद करता है

▶ विश्व स्तनपान सप्ताह का किया गया आयोजन

शहडोल। जिला चिकित्सालय शहडोल के विशेष नवजात देखभाल इकाई में विश्व स्तनपान सप्ताह का आयोजन किया गया। विश्व स्तनपान दिवस के अंतर्गत नवजात शिशुओं को केवल मां के दूध पिलाने के महत्व पर जोर दिया गया, जिससे माताओं तथा परिवार के अन्य सदस्यों में जागरूकता फैलाई जा सके।

कार्यक्रम का नेतृत्व मुख्य चिकित्सक एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्गदर्शन में किया गया, जिसमें विशेष ध्यान दिया गया कि नवजात शिशुओं को प्रारंभिक छह महीनों में केवल स्तनपान से पोषण प्राप्त करना चाहिए। इस अवसर पर, माताओं को जो विशेष नवजात देखभाल इकाई में अपने बच्चों के साथ थीं, उन पर ध्यान केंद्रित किया गया। उन्हें बताया गया कि केवल स्तनपान से शिशुओं को स्वास्थ्य लाभ कैसे मिलते हैं और मां के लिए यह कितनी फायदेमंद है।

डॉ. सुनील कुमार हथगेल, विशेष नवजात देखभाल इकाई के इंचार्ज और शिशु रोग विशेषज्ञ, ने कहा, मां का दूध नवजात शिशु के लिए अमृत के समान है। पहले एक-दो दिन में जो दूध आता है, उसे कोलेस्ट्रॉम कहते हैं।

संदीप एस पारंजपे को मिली सोहागपुर क्षेत्र के महाप्रबंधक पद की जिम्मेदारी

धनपुरी, नवभारत। बीते जून माह में सोहागपुर क्षेत्र के महाप्रबंधक पी श्री कृष्णा सेवानिवृत्त हो गए थे। उनकी सेवानिवृत्ति के बाद सोहागपुर क्षेत्र की जिम्मेदारी किसे मिलेगी इसको लेकर सोहागपुर क्षेत्र से बिलासपुर मुख्यालय तक चर्चा का बाजार गर्म था। तत्कालीन महाप्रबंधक पी श्री कृष्णा के सेवानिवृत्ति के बाद से महाप्रबंधक पद का प्रभार मनीष श्रीवास्तव संभाल रहे थे। गत दिवस सुजाता रानी महाप्रबंधक (मां.सं./ अधि.स्था.) एसईसीएल बिलासपुर के द्वारा आदेश जारी करते हुए सोहागपुर क्षेत्र के महाप्रबंधक पद की जिम्मेदारी संदीप एस पारंजपे को सौंपी गई है। आदेश में उल्लेखित किया गया है कि सीआईएल के सामान्य प्रबंधक (एचआर/ईई), कोलकाता द्वारा जारी आदेश संख्या सीआईएल/सी-5ए(द्वद्व)/ 52036/बी-604 दिनांक 16. 07. 2025 के

अनुसरण में, संदीप एस पारंजपे, महाप्रबंधक (माइन)/ई8 ग्रेड (90120254) को सीसीओ, नागपुर/बिलासपुर से एसईसीएल में उनके वर्तमान क्षमता/ग्रेड में प्रतिनियुक्त किया गया है।

संदीप एस पारंजपे, महाप्रबंधक (माइन) को आरओ, सीसीओ, नागपुर से 01.08.2025 (अपराह्न) से डिप्टी डायरेक्टर और एचओ, सीसीओ, गोल, एमओसी, दिल्ली द्वारा जारी संख्या सीसीओ-एडमिन 088/8/2022-एडमिन/ ई-350931 दिनांक 30. 07. 2025 के तहत मुक्त किया गया है और उन्होंने एसईसीएल मुख्यालय, बिलासपुर में 04.08.2025 (पूर्वाह्न) को जॉइनिंग के लिए रिपोर्ट किया है।

तदनुसार, संदीप एस पारंजपे, महाप्रबंधक (माइन) को सोहागपुर क्षेत्र में क्षेत्रीय महाप्रबंधक के रूप में नियुक्त किया जाता है और उन्हें निदेशक (प्रौद्योगिकी) (ऑपरेशन) को सोहागपुर क्षेत्र के महाप्रबंधक के रूप में अपने कर्तव्यों के लिए रिपोर्ट करने की सलाह दी जाती है। उन्हें वर्ष 2025-26 के लिए अपने नए पद पर शामिल होने के 15 दिनों के भीतर अपने ऑनलाइन पीएआर को भरने के लिए एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र के पीएमएस नोडल अधिकारी से संपर्क करने की सलाह दी जाती है।

बैंड बाजे के साथ विद्यार्थियों ने निकाली तिरंगा रैली

शहडोल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए राष्ट्रव्यापी हर घर तिरंगा अभियान के तहत शहडोल जिले में भी 2 अगस्त से 15 अगस्त तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। तिरंगा केवल ध्वज नहीं, बल्कि यह मां भारती के सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा का संकल्प है। हर घर तिरंगा अभियान उत्साह एवं उमंग के साथ जिले में मनाया जा रहा है। हर घर तिरंगा अभियान के तहत शासकीय ज्ञानोदय विद्यालय विचापुर के विद्यार्थियो द्वारा तिरंगा का महत्व बताने बैंड बाजे के साथ तिरंगा रैली निकाली गई। तिरंगा रैली में विद्यार्थियो ने भारत माता की जय, वंदे मातरम, झंडा ऊंचा रहे हमारा जैसे अन्य देशभक्ति के नारे लगाए।

कार्यक्रम | आदिवासी कला और शिल्प का किया गया प्रदर्शन

विश्व आदिवासी दिवस पर निकाली गई उत्सव रैली

शहडोल। संभागीय मुख्यालय में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आदिवासी भाई, बहनों ने हर्षोल्लास के साथ पारंपरिक आदिवासी नृत्य और गीत प्रस्तुत किए आदिवासी कलाकार अपनी अनूठी कला और शिल्प का प्रदर्शन दिखाए जो उनकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है। यह उत्सव समुदाय के लोगों को एकजुट होने और अपनी पहचान का जश्न मनाने का था जिसमें सभी ने अपनी अपनी भूमिका को बखूबी से निभाया। मध्यप्रदेश, भारत का एक ऐसा राज्य है जहाँ की आबादी का एक बड़ा हिस्सा आदिवासी समुदायों का है। 9 अगस्त को मनाया जाने वाला विश्व आदिवासी दिवस यहाँ विशेष महत्व रखता है। यह दिन न केवल आदिवासियों के सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक है, बल्कि उनके अधिकारों और कल्याण से जुड़ी चर्चाओं का भी एक प्रमुख मंच बन गया है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम और उत्सव- आदिवासी दिवस पर, शहडोल में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में पारंपरिक आदिवासी नृत्य, जैसे कि भील समुदाय का भगोरिया, और गोंड, बैगा, कोरकू आदि समुदायों के लोक नृत्य और गीत प्रस्तुत किए जाते हैं। आदिवासी कलाकार अपनी अनूठी कला और शिल्प का प्रदर्शन करते हैं, जो उनकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है। यह उत्सव समुदाय के लोगों को एकजुट होने और अपनी पहचान का जश्न मनाने का अवसर प्रदान करता है। सरकार आदिवासी समुदाय के कल्याण के लिए कई योजनाएं चलाती है। आदिवासी दिवस के अवसर पर, इन योजनाओं का प्रचार किया जाता है और नई पहलों की घोषणाएं भी की जाती हैं। कुछ प्रमुख योजनाएं इस प्रकार हैं- पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) नियम, 2022 लागू है। इस अधिनियम के तहत, आदिवासी बहुल क्षेत्रों में ग्राम सभाओं को अधिक अधिकार दिए गए हैं, ताकि वे अपने प्राकृतिक संसाधनों (जल, जंगल, जमीन) का प्रबंधन खुद कर सकें। यह आदिवासियों को स्व-शासन की भावना को बढ़ावा देता है। स्वरोजगार योजनाएं-भगवान बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना और टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना जैसी पहलें आदिवासी युवाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान करती हैं। इन योजनाओं में कम ब्याज दर पर ऋण और अन्य वित्तीय सहायता दी जाती है। शिक्षा और कौशल विकास- आदिवासी बच्चों के लिए छात्रवृत्ति योजनाएं और आवासीय विद्यालय चलाए जाते हैं। सरकार कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से आदिवासी युवाओं को रोजगार के लिए तैयार करने का प्रयास करती है। सरकार ने 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाने का फैसला किया है, जिससे आदिवासी समुदाय के सम्मान और पहचान को और मजबूत किया जा सके।

आदिवासी नेताओं और संगठनों की मांगें

आदिवासी दिवस पर, आदिवासी नेता और संगठन विभिन्न मुद्दों को उठाते हैं। उनकी प्रमुख मांगों में शामिल हैं जिनमें जमीन का संरक्षण, आदिवासी क्षेत्रों में जमीन के अवैध हस्तांतरण को रोकना और उनके पारंपरिक भूमि अधिकारों को मजबूत करना। वन अधिकार अधिनियम का प्रभावी क्रियान्वयन में यह सुनिश्चित करना कि वन अधिकार अधिनियम के तहत आदिवासियों को उनके वन भूमि पर अधिकार मिले।कई आदिवासी संगठन लंबे समय से आदिवासी दिवस पर सरकारी छुट्टी घोषित करने की मांग कर रहे हैं।संविधान में आदिवासियों को दिए गए विशेष अधिकारों का सख्ती से पालन करना और उन्हें सामाजिक भेदभाव से बचाना।मध्य प्रदेश की राजनीति में आदिवासी वोट बैंक का महत्वपूर्ण स्थान है। राज्य की 230 विधानसभा सीटों में से 47 सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं, और लगभग 80 सीटों पर आदिवासी मतदाता निर्णायक भूमिका निभाते हैं। इसलिए, सभी राजनीतिक दल आदिवासी कल्याण और अधिकारों के मुद्दे को गंभीरता से लेते हैं और आदिवासी दिवस पर उनके प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हैं। इस प्रकार, मध्य प्रदेश में विश्व आदिवासी दिवस एक ऐसा दिन है जो आदिवासी समुदाय के सांस्कृतिक उत्सव, सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और उनके अधिकारों के लिए चल रहे संघर्षों का एक मिला-जुला प्रतिबिंब प्रस्तुत करता है।